In most of the cases rebate has been given. In the remaining cases the rebate shall be adjusted through subsequent telephone bills.

(b) Rebate given so far is Rs. 8,59,588/-.

Statement

No. of telephones which remained out of order for more than 7 days.

S. No.	Name of Place	June, 96	July, 96	Aug., 96
1.	Ahmedabad	5074	9631	194
2.	Surat	979	1518	715
3.	Bhavnagar	234	655	—
4.	Rajkot	1757	1774	—
5.	Vadodara	93	115	475
6.	Jamnagar	5	5	4
7.	Bharuch	100	125	565

NOTE: The no. of telephones out of order for more than 10 days is less than the figures given above for telephones faulty more than 7 days.

Profit earned by Paradip Port

3157. SHRI SANATAN BISI: Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) the effort being made to reach the target of 9th Five Year Plan in respect of augmentation of Port capacity;

(b) the usual capacity level of different Ports including Paradip Port for the years 1993-94 and 1994-95; and

(c) the profit earned by the Paradip Port in the years 1993-94 and 1994-95.

THE MINISTER OF SURFACE TRANSPORT (SHRI T. G. VENKATARAMAN): (a) During the 8th Plan 1992—97, a total number of 30 new major projects costing about Rs. 2147 crores have already been sanctioned. During first four years of 8th plan, additional capacity upto 8.23 million tonnes has since been created. During 1996-97, another 12.50 million tonnes of additional capacity is likely to be achieved.

(b) During 1993-94 and 1994-95, the capacity at various major ports was as under:

Capacity (in million tonnes)

Name of the Port	1993-94	1994-95
1. (a) Calcutta	6.75	6.75
(b) Haldia	16.78	16.90
2. Bombay	26.80	26.80
3. J.L. Nehru	5.90	6.90
4. Madras	22.07	22.07
5. Cochin	10.66	10.80
6. Vizag	23.05	23.35
7. Kandla	20.80	20.80
8. Mormugao	15.92	15.92
9. Paradip	7.65	7.65
10. New Mangalore	9.55	9.65
11. Tuticorin	5.10	6.10
Total:	171.03	172.59

(c) The operating surplus by paradip port during the year 1993-94 and 1994-95 were Rs. 2790.51 lakhs and Rs.2287.71 lakhs respectively.

मधुबनी में स्वैच्छिक संगठनों को दी गई विदेशी सहायता

3158. **श्री रामदेव भंडारी:** क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 1995-96 और 1996-97 के दौरान बिहार के मधुबनी जिले में स्वैच्छिक संगठनों को विदेशी संस्थाओं से प्राप्त हुई वित्तीय सहायता का ब्यौरा क्या है; और

(ख) विदेशी संस्थाओं के नाम और पता, उनके द्वारा दी गई वित्तीय सहायता की धनराशि, उक्त सहायता प्राप्त करने वाले स्वैच्छिक संगठनों के नाम तथा उनके द्वारा प्राप्त धनराशि का योजना-वार ब्यौरा क्या है?

गृह मंत्री (श्री इन्द्रजीत गुप्त): (क) और (ख) निश्चित सांस्कृतिक, आर्थिक, शैक्षिक, धार्मिक या सामाजिक कार्यक्रमों वाली एसोसिएशनों को विदेशी अभिदाय प्राप्त करने से पहले, विदेशी अभिदाय (विनियमन) अधिनियम, 1976 के अन्तर्गत पंजीकरण कराना या पूर्व अनुमति प्राप्त करनी होती है। इस प्रकार से पंजीकृत/अनुमति प्राप्त एसोसिएशनों को वर्ष की समाप्ति से 60 दिन के भीतर, निर्धारित प्रपत्र में अपना वार्षिक लेखा-जोखा प्रस्तुत करना पड़ता है जिसमें धन प्राप्ति और उपयोग के ब्यौरे देने होते हैं। इस प्रकार की एसोसिएशनों द्वारा प्राप्त विदेशी अभिदाय के बारे में वर्ष 1994-95 तक की वार्षिक रिपोर्टों की प्रतियां पहले ही